

संपादकीय

मेज़बान और मधुमेही मेहमान

मधुमेही भी तो मेहमान हैं। शादी हो या सगाई या हो छोटी-मोटी किटी पार्टी। यहाँ तक कि किसी भी स्तर की बर्थडे पार्टी हो चाहे 15-20 मेहमान हों या 500-600 मेहमान। हर पार्टी में एक खास बात जो देखने में आती है वह यह है कि हर 12-13 मेहमान में एक मधुमेही भी होता है। लेकिन एक आम बात यह भी है कि शायद ही कोई पार्टी हो जिसमें मधुमेह मरीज़ के लिये कोई विशेष व्यवस्था करता हो। मैदे के आईटम वर्जित हैं। दहीबड़े में दही थोड़ा मीठा होता ही है। चटनी में मीठा है ही। किसी गुजराती भाई की शादी में गये हैं तो सब्जी बिना शक्कर डाले बन ही नहीं सकती। गनीमत है मिठाई आईस्क्रीम के स्टॉल मैदान के पर्ली तरफ ही होते हैं, जहाँ बेचारा मधुमेही मेहमान मुँह करके भी खड़ा नहीं होगा।

मैं उन मधुमेह रोगियों की बात नहीं कर रहा हूँ जिनका फण्डा है “मस्तराम मस्ती में, आग लगे बस्ती (शरीर) में” तथा जो सामान्य आदमी से अधिक प्लेट गाजर के हलुए को खाकर तथा मीठे के हर स्टॉल का सम्मान बढ़ाते हुये पार्टी में अपनी प्रज़ेंस दर्ज करते हैं। बात उनकी कर रहा हूँ जो स्वास्थ्य के प्रति सजग हैं। अपनी शुगर और कैलोरी का पूरा ध्यान रखते हैं। हमारा यह नायक मिठाई के स्टॉलों को बायपास करता हुआ काफी के स्टॉल पर पहुँचता है, एक झूठी उम्मीद के साथ। भाई बिना शक्कर की काफी मिलेगी? वह स्टॉल के पीछे खड़ी बाँसनुमा शख्सियत से पूछता है। शायद वह शख्स अपमानित हो जाता है और तिरस्कार और व्यंग्यपूर्ण लहजे में जवाब देता है, पूरे दूध में शक्कर मिली है। मेज़बान को इस प्रकार के व्यवहार का पता तक नहीं होता। ऐसी बात नहीं, वह भी आज मेज़बान है तो सैंकड़ों बार मेहमान बन चुका है। यह तो अब सामान्य सी बात हो गई है।

क्या ही अच्छा हो अगर कोई एक स्टॉल शुगर फ्री स्वीट का भी हो।

अगर यह मुश्किल है तो बिना शक्कर की काफी ही रख दें। यह भी नहीं कर सकते तो कार्ड में एक नोट ज़रूर लिखवा दें “मधुमेह रोगियों को लिये निमंत्रण लागू नहीं है।” लेकिन अगर बुलाया है तो उनका ख्याल रखें बाकी मेहमानों की तरह।

- संपादक